# सोनखरा गांव में सरकारी जमीन को लेकर खूनी संघर्ष, तनाव बरकरार

## दोनों पक्षों ने एसपी को दिया आवेदन, सरपंच के रिश्तेदार बोले हमने हमला नहीं किया, गिरकर घायल हुआ बुजुर्ग

नवभारत न्यूज

**गुना 20 दिस. का। जिले के बमौरी ब्लॉक अंतर्गत सोनखरा गांव में 19 दिसंबर को सरकारी जमीन को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मामले में पुलिस अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है, लेकिन गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है।**

शनिवार को दोनों पक्षों ने एसपी अंकित सोनी को अलग-अलग ज्ञापन सौंपकर एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए। खास बात यह रही कि दोनों ज्ञापनों में किसी एक व्यक्ति के बजाय 'समस्त ग्रामवासी' का उल्लेख किया गया है। फरियादी पक्ष का आरोप है कि सरपंच और उनके परिवार ने गांव में आतंक का माहौल पैदा कर दिया है। उनके अनुसार घटना के मुख्य आरोपी अवधेश धाकड़ ने फरसे से हमला किया, जिससे बुजुर्ग शंकरलाल धाकड़ गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि मुख्य आरोपी को तुरंत गिरफ्तार किया जाए, जो अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। आरोप है कि कई अन्य आरोपी भी खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे गांव में असुरक्षा का माहौल है। दूसरी ओर, सरपंच से जुड़े पक्ष ने पुलिस को दिए ज्ञापन में अपनी दलील पेश की। उनका दावा है कि गांव की सरकारी जमीन पर कुछ दबंगों ने कब्जा कर रखा है। शुक्रवार को जब ठेकेदार वहां सरकारी इमारत का निर्माण शुरू करने पहुंचे, तो कब्जाधारियों ने सरपंच और सचिव के साथ मारपीट शुरू कर दी। सरपंच पक्ष का कहना है कि जब पुलिस कुछ लोगों को थाने ले गई, तब पीछे से उपद्रवियों ने अवधेश धाकड़ को घेरकर पीटा। घायल बुजुर्ग के संबंध में उन्होंने दावा किया कि उनके साथ मारपीट नहीं हुई, बल्कि वे जमीन पर गिरकर घायल हुए हैं। उन्होंने पुलिस पर बिना जांच किए गंभीर धाराओं में केस दर्ज करने का आरोप लगाया है। इस पूरे घटनाक्रम पर एसडीओपी विवेक अष्टाना ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि गांव में सरकारी स्कूल के निर्माण को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस जब मौके पर पहुंचकर केस दर्ज करने की प्रक्रिया कर रही थी, तभी गुना से तीन गाड़ियों में सवार होकर आए कुछ लोगों ने वहां पहुंचकर मारपीट शुरू कर दी। पुलिस ने इस मामले में कुल 9 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। सोशल मीडिया और चर्चाओं में चल रहे 'थार गाड़ी से कुचलने' के आरोपों को पुलिस ने सिरे से खारिज कर दिया है। प्रशासन ने गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बल तैनात किया है और मामले की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है।

### अब पुलिस संरक्षण में किया जाएगा निर्माण

सोनखरा में 19 दिसंबर को सामने आए घटनाक्रम के बाद स्कूल का निर्माण फिलहाल रोक दिया गया है। बताया जा रहा है कि सरपंच और सचिव की अगुवाई में निर्माण कार्य पुलिस संरक्षण में किया जाएगा। हालांकि सरपंच के कुछ रिश्तेदारों पर मारपीट का आरोप लगा है।

### सोनखरा में पुलिस का पहरा

मारपीट, आगजनी और मुंहवाद जैसी घटनाओं के बाद सोनखरा में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। बीती रात भीषण सर्दी के बीच बमोरी पुलिस थाने की फोर्स ने गांव में पहरा दिया। एसडीओपी विवेक अष्टाना ने गांव में जाकर पूरी स्थिति का जायजा लिया और लोगों से चर्चा की। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाइश दी कि कोई भी व्यक्ति कानून हाथ में न ले। वहीं जिला स्तर पर एसपी अंकित सोनी और कलेक्टर भी गांव के हालातों की अपडेट अधीनस्थ अधिकारियों से ले रहे हैं।

## नववर्ष पर टेकरी सरकार के दर्शन होंगे सुगम, कलेक्टर और एसपी ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा, सड़क सुधार और पार्किंग के निर्देश

**गुना। नववर्ष के अवसर पर प्रसिद्ध हनुमान टेकरी मंदिर में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुव्यवस्थित दर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार को कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल और पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी ने संयुक्त रूप से मंदिर क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने यातायात, वाहनों की पार्किंग और आवागमन के रास्तों का बारीकी से जायजा लिया।**

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने टेकरी मार्ग पर चल रहे पेवर्स लगाने के कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी को कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि नववर्ष के दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं, ऐसे में सड़क की स्थिति हर हाल में बेहतर होनी चाहिए ताकि किसी को परेशानी न हो। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्थाओं पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वाहनों की पार्किंग और आवागमन के लिए ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे जाम की स्थिति निर्मित न हो। अधिकारियों को स्पष्ट किया गया कि यातायात नियंत्रण के लिए पर्याप्त बल तैनात रहे और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। टेकरी क्षेत्र के साथ-साथ प्रशासनिक अमले ने नानाखेड़ी मंडी से लेकर हनुमान चौराहे तक किए जा रहे सड़क पैचवर्क (मरम्मत कार्य) का भी निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी मंजुषा खत्री को निर्देशित किया कि सड़क के डिवाइडर के पास जमा गंदगी की तत्काल सफाई कराई जाए।

### विद्युत पोल शिफ्ट करने के आदेश

एबी रोड के किनारे अव्यवस्थित ढंग से लगे विद्युत पोलों को लेकर भी कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को इन पोलों को शीघ्र शिफ्ट करने के निर्देश दिए ताकि यातायात सुगम हो सके और किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका को खत्म किया जा सके। इस निरीक्षण के दौरान यातायात थाना प्रभारी अजय सिंह, तहसीलदार जी.एस. बेरवा सहित लोक निर्माण विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रशासन की इस सक्रियता से उम्मीद है कि इस वर्ष श्रद्धालुओं को टेकरी सरकार के दर्शन में सुगमता होगी।

## लायंस नेत्र चिकित्सालय में 80 हजार मोतियाबिंद ऑपरेशन संपन्न

नवभारत न्यूज

**गुना। लायंस परमार्थिक न्यास द्वारा संचालित लायंस नेत्र चिकित्सालय, गुना ने शनिवार, 20 दिसंबर 2025 को सेवा के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया। चिकित्सालय में 80 हजारवें मोतियाबिंद ऑपरेशन का उत्सव मनाया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर लायंस क्लब इंटरनेशनल के प्रांतपाल लायन सुधीर वाजपेयी ने आधिकारिक भ्रमण किया और चिकित्सालय की सेवाओं की सराहना की।**

मुख्य अतिथि प्रांतपाल लायन सुधीर वाजपेयी ने अपने उद्बोधन में चिकित्सालय को और आधुनिक बनाने का संकल्प लिया।

उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में चिकित्सालय में रेटिना थैरेपी के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए लायंस इंटरनेशनल से विशेष ग्रांट दिलवाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा, ताकि क्षेत्रीय मरीजों को गंभीर नेत्र रोगों के लिए बड़े शहरों की ओर न भागना पड़े। कार्यक्रम के दौरान सेवा की भावना को विस्तार देते हुए 'किरण सेवा न्यास' की ओर से महत्वपूर्ण मेडिकल उपकरण भेंट किए गए। इनमें 10 व्हीलचेयर, 5 हॉस्पिटल बेड, 5 पोर्टेबल यूरोपियन लेट्रिन, 5 वॉकर और 5 एयर बेड शामिल हैं। इस पुनीत कार्य में श्री पवन कुमार श्रीमाल एवं लायन मुकेश श्रीमाल का विशेष सहयोग रहा कार्यक्रम में पूर्व प्रांतपाल लायन विष्णु गोयल, प्रांतीय सचिव लायन प्रदीप शर्मा, रीजन चेयरमैन लायन पवन जैन, जोन चेयरमैन लायन हरीश रतरा, चिकित्सालय चेयरमैन लायन आलोक अग्रवाल, अध्यक्ष लायन विनय शास्त्री और सचिव लायन प्रदीप मित्तल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन लायन गुलशन डाबर ने किया, वहीं प्रांतपाल की आधिकारिक यात्रा का संचालन लायन सुनील अग्रवाल द्वारा किया गया।

## मंडी में लगा स्वास्थ्य शिविर 250 लोगों की हुई जांच

**गुना।** कृषि उपज मंडी परिसर में पसीना बहाकर व्यवस्थाओं को सुचारु बनाने वाले हम्माल और तुलावटी भाइयों की सेहत का ख्याल रखते हुए शनिवार को एक विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिला अस्पताल के सहयोग से मंडी कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में श्रमिकों ने पहुंचकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। शिविर के दौरान जिला चिकित्सालय से आई विशेषज्ञों की टीम ने लगभग 250 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की बारीकी से जांच की। मुख्य रूप से रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) और मधुमेह (शुगर) जांचें की गईं।

## 'स्वस्थ रहना है तो घर-घर लगाएं औषधीय पौधे' : डॉ. ओ.पी. सोनी

**गुना।** आरोग्य भारती जिला गुना के आगामी कार्यक्रमों और संगठन विस्तार को लेकर शनिवार को सेवा भारती अन्नपूर्णा भोजनालय में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आरोग्य भारती मध्य भारत प्रांत के सचिव एवं पूर्णकालिक कार्यकर्ता डॉ. ओ.पी. सोनी द्वारा मां अन्नपूर्णा और भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. ओ.पी. सोनी ने आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कोरोना काल ने पूरी दुनिया को आयुर्वेद की शक्ति से परिचित कराया है। गिलोय, तुलसी और सदाबहार जैसी औषधियों ने रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में रामबाण की भूमिका निभाई है, जिससे जनसामान्य का झुकाव अब प्राकृतिक चिकित्सा की ओर बढ़ा है। डॉ. सोनी ने नगरवासियों से इस पुनीत कार्य में सहयोग करने और अपनी महती भूमिका निभाने का आग्रह किया। बैठक में आरोग्य भारती के जिला अध्यक्ष डॉ. पुरुषोत्तम बुनकर, संरक्षक डॉ. रामवीर सिंह रघुवंशी, सचिव डॉ. सचिन सोनी और जिला पर्यावरण प्रभारी विकास जैन नखराली सहित डॉ. ह्रदेश गुप्ता, नीरज रघुवंशी, प्रभात श्रीवास्तव, रविकांत शर्मा, डॉ. जगमोहन ओझा शामिल रहे।

## कल 6 घंटे तक गुल रहेगी बिजली

**गुना।** शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रविवार, 21 दिसंबर 2025 को विद्युत सेवा बाधित रहेगी। इस तकनीकी सुधार के चलते सुबह 09 बजे से दोपहर 03 बजे तक शहर के बड़े हिस्से में बिजली की आपूर्ति बंद रखी जाएगी। प्राप्त जानकारी इनुसार इस कटौती से मुख्य रूप से कोर्ट परिसर, नया कलेक्ट्रेट परिसर, एसपी बंगला क्षेत्र, लूशन का बगीचा, घोसीपुरा, बांसखेड़ी, गोविंद गार्डन, लाल परेड, सीताराम कॉलोनी और मटकरी कॉलोनी प्रभावित होंगे। साथ ही मथुरा नगर, भार्गव, नजूल, सरस्वती विहार कॉलोनी, जयस्तंभ चौराहा, सोनी कॉलोनी, दुबे, चौधरन, तलैया मोहल्ला, आसमानी माता, न्यू टेकरी रोड और हाट रोड पर भी विद्युत प्रवाह बंद रहेगा। इसके अतिरिक्त हनुमान चौराहा, पुरानी गल्ला मंडी, राधा कॉलोनी, छाबड़ा कॉलोनी, नई सड़क, आशीर्वाद रोड, अस्पताल चौराहा एवं जैन भोजनालय क्षेत्र के नागरिकों को भी बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा।

## शिवालय और गौ माता के दर्शन से मिलता है महापुण्य

### अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित की जा रही है शिव महापुराण कथा

**गुना। अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित पांच दिवसीय शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन शनिवार को भक्ति की अविरल धारा बही। शुभ विदाई गार्डन में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में आचार्य हित आकाश ने शिव महिमा का बखान करते हुए भक्तों को धर्म और कर्म का मार्ग दिखाया। कथा के दौरान अग्रवाल समाज की विभूतियों का सम्मान भी किया गया।**

कथा के दौरान अग्रवाल समाज के गौरव और पूर्व मैनेजर मुकुल बिहारी गुप्ता का विशेष सम्मान किया गया। संयोजक अग्रवाल महिला मंडल गुना द्वारा उन्हें आचार्य के हाथों 'शिव-शक्ति' का स्मृति चिह्न और छायाचित्र भेंट किया गया। इस अवसर पर अशोक कुमार सुखद, यशवंत अग्रवाल, गोपाल दास बिंदल, ओम प्रकाश गर्ग, गोपाल दास अग्रवाल, राजेंद्र कुमार बिंदल, शिव कुमार गर्ग सहित समाज के वरिष्ठ जन उपस्थित रहे। आचार्य हित आकाश ने अपने प्रवचन में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन शिव मंदिर अवश्य जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि दुनिया में दो स्थान ऐसे हैं जहां 33 कोटि देवी-देवता वास करते हैं-एक शिवालय और दूसरी गो-माता। इनके दर्शन मात्र से अनंत फल की प्राप्ति होती है। हर घर में अंगूठे के आकार का नर्मदेश्वर शिवलिंग होना चाहिए, जिसे बाण लिंग भी कहा जाता है। विल्व पत्र साक्षात भोलेनाथ का स्वरूप है, जिसमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों का स्थान है। कथा के तीसरे दिन बांके बिहारी जी की अलौकिक और मनमोहक झांकी सजाई गई, जिसने भक्तों का मन मोह लिया। आज से पार्थिव शिवलिंग महा-निर्माण का कार्य भी प्रारंभ हुआ। अग्रवाल महिला मंडल की सदस्यों ने श्रद्धाभाव से छोटे-छोटे शिवलिंग बनाए और उनका अभिषेक किया। यह आयोजन आगामी 5 दिनों तक प्रतिदिन सुबह 10 से 12 बजे तक चलेगा, जिसके पश्चात विधि-विधान से सिंगवासा तालाब पर विसर्जन किया जाएगा। शनिवार की कथा में मुख्य यजमान वीरेंद्र अग्रवाल, शैलेंद्र अग्रवाल और चंचल अग्रवाल ने व्यास पीठ का पूजन कर आशीर्वाद लिया। कथा के विश्राम पर आरती में नीलम बिंदल, प्रदीप बिंदल, विवेक गर्ग, अशोक अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## सोमवार से लगेगा पीएम आवास मेला, 2018 की पुरानी दरों पर मिल सकेंगे भवन

**गुना।** नगर पालिका परिषद गुना द्वारा शहर के नागरिकों को अपना घर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार से विशेष आवास मेले का आयोजन किया जा रहा है। पत्रकार कॉलोनी के समीप जगनपुर क्षेत्र में निर्मित किए जा रहे मध्यम आय वर्ग और निम्न आय वर्ग के भवनों की बिक्री के लिए यह मेला तहसील और अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय के पास लगाया जाएगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री मंजुषा खत्री ने बताया कि इस आवास मेले में नागरिकों को 'पहले आओ-पहले पाओ' की तर्ज पर अपनी पसंद का घर चुनने की सुविधा मिलेगी। साथ ही नागरिकों की आर्थिक सहायता के लिए मौके पर बैंक प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे, जो गृह ऋण की प्रक्रिया को सरल बनाएंगे। इन आवासों की बनावट पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि मध्यम आय वर्ग के भवन तीन कमरों वाले हैं, जिनमें रसोई, बैठक, दो शौचालय और स्नानघर के साथ धुलाई क्षेत्र तथा वाहन खड़ा करने की जगह दी गई है। वहीं निम्न आय वर्ग के भवनों में दो कमरे, रसोई, दो शौचालय और स्नानघर के साथ पोर्च की सुविधा उपलब्ध है। पंजीकरण के पश्चात आगामी दिनों में लॉटरी के माध्यम से इनका आवंटन सुनिश्चित किया जाएगा। इस योजना का सबसे आकर्षक पहलू इसकी कीमतें हैं, जो वर्तमान महंगाई के बावजूद मध्यम आय वर्ग के भवनों की कीमत उन्नीस लाख पचास हजार रुपये तथा निम्न आय वर्ग के भवनों की कीमत सोलह लाख पच्चीस हजार रुपये निर्धारित है।

## दो महीने से वेतन न मिलने पर भड़के सफाई कर्मी नेहरू पार्क से नगरपालिका तक निकाली आक्रोश रैली

**गुना।** शहर की साफ-सफाई का जिम्मा संभालने वाले सफाई कर्मचारियों के सब्र का बांध आखिरकार टूट गया। लगभग दो महीनों से वेतन न मिलने से नाराज सैकड़ों कर्मचारियों ने शनिवार को नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। नेहरू पार्क से रैली निकाली गई, जिसमें शामिल कर्मचारी नारेबाजी करते हुए नगरपालिका पहुंचे और अपनी मांगों को प्रबंधन के सामने रखा है। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का कहना है कि समय पर वेतन न मिलने के कारण उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। कई कर्मचारियों ने अपनी जरूरतों के लिए बैंक या निजी संस्थाओं से लोन ले रखा है। वेतन न आने की वजह से उनकी किस्तें बाउंस हो रही हैं, जिससे उन्हें भारी पेनाल्टी चुकानी पड़ रही है। आर्थिक तंगी के चलते परिवारों का भरण-पोषण मुश्किल हो गया है। कर्मचारी संगठनों ने नगरपालिका प्रशासन पर शासन के नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उनकी मांगी है कि बकाया वेतन का भुगतान तत्काल किया जाए और समयमान वेतनमान भी नगरपालिका जल्द से जल्द लागू। जिसके आदेश साल 2016 में हो चुके थे, लेकिन अब तक चुनिंदा लोगों को ही इसका लाभ दिया गया है। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने नगरपालिका के डेटा पर भी सवाल उठाए। कर्मचारियों का दावा है कि नगरपालिका के रिकॉर्ड में सफाई कर्मियों की संख्या 400 दर्ज है, जबकि धरातल पर उनकी जानकारी के अनुसार केवल 300 कर्मचारी ही कार्यरत हैं। कर्मचारी नेताओं ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन की राह पकड़ेंगे। शहर में किसी भी समय 'काम बंद हड़ताल' शुरू की जा सकती है, जिससे सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो सकती है।

**चिंताजनक खबर** कम उम्र में मोबाइल के अधिक इस्तेमाल से हो रही है समस्या

# मोबाइल की लत से 172 बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित

नवभारत न्यूज

**गुना। आधुनिक दौर में बच्चों को बहलाने के लिए मोबाइल थमाना उनके भविष्य के लिए घातक साबित हो रहा है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के मार्गदर्शन में संचालित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र की ताजा रिपोर्ट ने एक चिंताजनक स्थिति पेश की है। पिछले 8 महीनों में की गई स्क्रीनिंग के दौरान जिले के 172 बच्चों में विभिन्न विकासात्मक विकार और व्यवहार संबंधी समस्याएं पाई गई हैं।**

मोबाइल बना विकास में बाधा स्क्रीनिंग के दौरान यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि कई अभिभावकों ने बच्चों को मात्र 6 माह की उम्र से ही मोबाइल दिखाना शुरू कर दिया था। जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक विनीता सोनी ने बताया कि काम की अधिकता के कारण बच्चों को मोबाइल देना उनके व्यवहार और विकास पर भारी पड़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बच्चों में बोलने में देरी (स्पीच डिले), सामाजिक संपर्क की कमी और एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं।

इन विकारों की हुई पहचान डीईआईसी में चिन्हित किए गए 172 बच्चों में मुख्य रूप से बौद्धिक अक्षमता, स्वपरायणता (ऑटिज्म), सेरेब्रल पाल्सी, लर्निंग डिसेबिलिटी और डाउन सिंड्रोम जैसे गंभीर विकार पाए गए हैं। ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों में विशेष रूप से आंखों से संपर्क न बनाना (आई कॉन्टैक्ट) और असामान्य व्यवहार जैसी समस्याएं देखी गई हैं। चिकित्सकों का मानना है कि इन विकारों के पीछे गर्भावस्था में कुपोषण, समय से पूर्व जन्म, जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी या आनुवंशिक कारण भी जिम्मेदार हो सकते हैं। थैरेपी से आ रहा सकारात्मक सुधार चिन्हित बच्चों के उपचार के लिए ऊएकउ में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

स्पेशल एजुकेटर प्रीति श्रीवास्तव द्वारा प्रतिदिन 8 से 10 बच्चों को विशेष शिक्षा, एबीए थैरेपी और बिहेवियर थैरेपी दी जा रही है। नियमित प्रशिक्षण और परामर्श के चलते इन बच्चों के व्यवहार, सीखने की क्षमता और सामाजिक मेलजोल में अब सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों के विकास में होने वाली किसी भी देरी को नजरअंदाज न करें और समय पर विशेषज्ञों की सलाह लें।

## अवैध गैस रिफिलिंग और व्यावसायिक उपयोग पर प्रशासन का शिकंजा, कार्यवाही में 6 घरेलू सिलेंडर किए जब्त

**गुना।** कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध और व्यावसायिक उपयोग के विरुद्ध जिले में निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को जिला आपूर्ति अधिकारी अवधेश कुमार पांडे के मार्गदर्शन में खाद्य विभाग की टीम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में छापामार कार्रवाई की। इस दौरान अंबेडकर चौराहे पर संचालित साउथ इंडियन अन्ना डोसा सेंटर से दो घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए, जिनका उपयोग व्यावसायिक कार्यों के लिए किया जा रहा था। इसके अतिरिक्त कर्नलगंज स्थित कृष्णा रिफिलिंग सेंटर से दो सिलेंडर, बूढ़े बालाजी पानी की टंकी के समीप राजू कुशवाह के पास से एक सिलेंडर तथा राठौर रिफिलिंग सेंटर से एक घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया गया। इस प्रकार विभाग ने कुल छह घरेलू गैस सिलेंडर अवैध रिफिलिंग और व्यावसायिक उपयोग किए जाने के मामले में अपनी अभिरक्षा में लिए हैं। इस पूरी कार्रवाई के बाद आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण तैयार कर अंतिम निर्णय हेतु कलेक्टर को प्रेषित किए जा रहे हैं। शनिवार को हुई इस दबिश में जिला आपूर्ति अधिकारी के साथ कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आशीष चतुर्वेदी एवं श्रीमती इंदु शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। घरेलू ईंधन का गलत तरीके से उपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त निगरानी रखी जा रही है।